

STATE BANK OF INDIA

Sl. No.

GSR/001:270102

RECEIPT

भारतीय स्टेट बैंक / S.B.I.

भरवैली रोड गुडगांव / M.R. Gurgaon

कोड/Code No.01565

STATE BANK OF INDIA

Branch

Code No.

Received a sum of Rs. 95,1,600/-

(Rupees Nine Lacs fifty one thousand six hundred only)

from Smt. / Shri M/s Druzba Overseas Pvt Ltd.

Res. No. w/o N. A.

residing at New Delhi

STATE BANK OF INDIA

for credit to Government of Haryana account towards Stamp Duty.

Date

Place

GURGAON

Token No. 5495

Hall No. 1

Date 1.12.10

बयनामा

विक्रेता सुनिता

: क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0,

1- किस्म वसीका

: बयनामा

2- मालियती

: 1,35,93,750 / - रुपये

3- स्टाम्प

: 95,1,600 / - रुपये

4- गांव/शहर का नाम

: बसई/गुडगांव

सुनिता देवी

प्रलेख नं: 24571

दिनांक 01/12/2010

डीड संबंधी विवरण

डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA

तहसील/सब-तहसील गुडगावा

गांव/शहर बसई

स्थित बसई

भवन का विवरण

भूमि का विवरण

चाही

1 Bigha 1 Biswa 15 Biswansi

धन संबंधी विवरण

राशि 13,593,750.00 रुपये

कुल स्टाम्प ड्यूटी की राशि 951,600.00 रुपये

स्टाम्प की राशि 951,600.00 रुपये

रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये

पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये

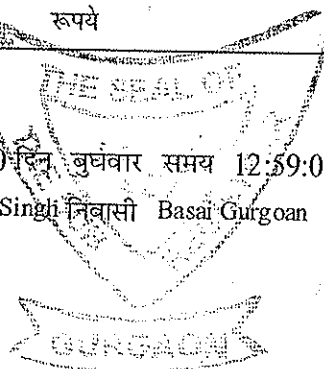
रूपये

Drafted By: S.C. Arora Adv.

यह प्रलेख आज दिनांक 01/12/2010 दिन बुधवार समय 12:59:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Sunita पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Ran Singh निवासी Basai Gurgaon द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

सुनीता देवी

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता



उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी V
Joint Sub Registrar
गुडगावा

श्री Sunita

उपरोक्त विक्रेता श्री/श्रीमती/कुमारी Bechitrupal Singh क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यों को दोनों पक्षों ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रुपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख में वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनों पक्षों की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी S.c. Arora पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgaon व श्री/श्रीमती/कुमारी Kawal Singh पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Sukhpal singh निवासी Basai GGN ने की। साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते हैं तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनांक 01/12/2010

उप/संयुक्त पंजीयन अधिकारी
Joint Sub Registrar
गुडगावा

- 5- रकबा : 1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी
- 6- किस्म अराजी : चाही
- 7- स्टाम्प विक्रेता : एस0बी0आई0, महरौली रोड,
गुडगांव।
- 8- स्टाम्प नं0 / तारीख : क्रमांक नं0 270102
GSR/001/29-11-2010

मनके श्रीमति सुनिता पुत्री रणसिंह गांव बसई तहसील व जिला गुडगावा की हूँ।

जोकि मे वाका मौजा बसई तह0 व जिला गुडगाँव में अराजी खेवट नं0 19,20 खतौनी नं0 32,33 खसरा नं0 1081/225/2(1-7-7), 226/1(1-16-16), किता 2 कुल रकबा 3 बीघा 4 बिस्वा 3 विश्वान्सी मे से 1/3 भाग व खसरा नं0 1081/225/3 (0-0-18) 227/1(0-1-14) किता 2 कुल रकबा 0 बीघा 2 बिस्वा 12 विश्वान्सी मे से 2/39 भाग व खसरा नं0 226/3 (0-2-9) मे से 5/54 भाग कुल बकदर रकबा 1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी के हम बरुये जमाबंदी सन 2001-2002 व ईन्तकाल नं0 5667 द्वारा मालिक व काबिज हैं। जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यह कि उपरोक्त रकवे पर किसी का मौरुसी या गैरमौरुसी हक व हकूक ना है यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अगर उपरोक्त रकवे पर कोई भी रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, मौरुसी या गैरमौरुसी पाया जाता है तो उसका

सुनिता देवी

Reg. No. 24571 Reg. Year 2010-2011 Book No. 1



विक्रेता



क्रेता



गवाह

विक्रेता
Sunita Sunita Devi

क्रेता
Bechitrapal Singh Bechitrapal Singh

गवाह 1:- S.C. Arora S.C. Arora गवाह 2:- Kawal Singh Kawal Singh

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 24,571 आज दिनांक 01/12/2010 को बही न: 1 जिल्द न: 9,753 के पृष्ठ न: 140 पर पंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 832 के पृष्ठ सख्या 52 से 53 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रमाणित और गवाहों ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

दिनांक 01/12/2010

VIJAY KUMAR YADAV
उप/सर्वोक्त पंजीयन अधिकारी
गुडगावा

स्वयं जिम्मेदार होंगे वह हम ठीक कराकर देंगे व भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी नहीं उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर आयदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रुपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 1 बीघा 1 बिस्वा 15 विश्वान्सी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 1,35,93,750/- रुपये (एक करोड पैतिस लाख तिरानवे हजार सात सो पचास रुपये केवल) आधे जिनके मुबलिग 67,96,875/- रुपये होते हैं, बाहक: क्रेता मैसर्स दुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0, एम-11, मिडील सर्किल कनॉट प्लेस नई दिल्ली को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। जोकि निम्न प्रकार से है -

श्रीमति सुनिता ने मु0 50,000 /- रुपये नकद व मु0 4,25,000 /- रुपये बजरिए चैक नं0 000341 व मु0 63,21,875/- बजरिए चैक नं0 122257 व मु0 67,96,875/- बजरिए चैक नं0 122262 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिए है।

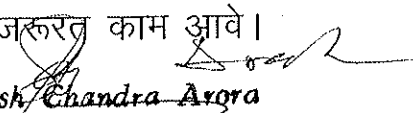
अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन-देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त नम्बरान पर कब्जा देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी आराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे

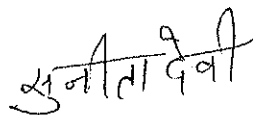
सुनीता देवी

तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूर बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

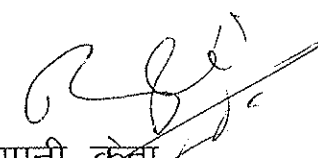
अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

तहरीर तारीख: 01-12-2010


Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt Courts, Gurgaon



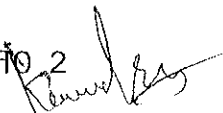
ह0 श्रीमति सुनिता विक्रेता


ह0 कम्पनी क्रेता
श्री बचिन्द्राल सिंह
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाह नं0 1


Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt Courts, Gurgaon

गवाह नं0 2


ICAW & ICAEW
SLA & ICAEW
NLS & ICAEW